No. of Printed Pages : 6

BES–126

BACHELOR OF EDUCATION (B. Ed.)

Term-End Examination

December, 2023

BES-126 : KNOWLEDGE AND CURRICULUM

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

---

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss the various sources of knowledge with examples.

   Or

   Explain the ways through which obtained knowledge can be validated.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Describe the role of a teacher in implementing the curriculum in the classroom.

   Or

   Explain the role of principal as a curriculum leader.

3. Write short notes on any ***four*** of the following in about **150** words each :

   (a) Teachers as critical pedagogues.

   (b) Differentiate between A Priori and A Posteriori knowledge with suitable examples.

   (c) Humanistic-Aesthetic approach to curriculum.

   (d) Importance of keeping psychological considerations in mind while developing curriculum.

(e) Use of guided exploration for using knowledge construction in classrooms.

(f) Ideology as 'False Consciousness'.

4. Answer the following question in about **600** words :

Suppose you are involved in designing of a curriculum at secondary level. Describe the steps that you would follow while designing the same curriculum.

BES–126

शिक्षा में स्नातक (बी. एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.ई.एस.-126 : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

समय : 3 घण्टे अधिकतम भारिता : 70%

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

   उदाहरण सहित ज्ञान के विविध स्रोतों की चर्चा कीजिए।

   अथवा

   प्राप्त ज्ञान की वैधता सुनिश्चित करने के तरीकों की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

   कक्षाकक्ष में पाठ्यचर्या के अनुपालन में शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या के नेतृत्वकर्ता के रूप में एक प्रधानाचार्य की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचनात्मक शिक्षणशास्त्री के रूप में अध्यापक

(ख) प्रागनुभव (A Priori) तथा अनुभवजन्य (A Posteriori) ज्ञान में उचित उदाहरणों की सहायता से अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ग) पाठ्यचर्या का मानवतावादी-सौन्दर्यानुभूत उपागम।

(घ) पाठ्यचर्या विकसित करते समय मनोवैज्ञानिक विचारों को ध्यान रखने का महत्व

(ङ) कक्षाकक्ष में ज्ञान निर्माण हेतु निर्देशित अन्वेषण की उपयोगिता

(च) 'छद्म चैतन्यता' की विचारधारा

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

मान लीजिए आप माध्यमिक स्तर पर एक पाठ्यक्रम संरचित करने में सम्मिलित हैं। इस पाठ्यक्रम को निर्मित करते समय आप जिन चरणों का अनुपालन करेंगे, उनकी चर्चा कीजिए।